

## नई दिल्ली में कालबेलिया शिल्प पुनरुद्धार प्रोजेक्ट प्रदर्शनी की शुरुआत

### चर्चा में क्यों?

19 जुलाई, 2022 को राजस्थान के कालबेलिया समुदाय के उत्थान के प्रयास की दशा में नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में कालबेलिया शिल्प पुनरुद्धार प्रोजेक्ट प्रदर्शनी की शुरुआत की गई।

### प्रमुख बंदि

- कालबेलिया क्राफ्ट रविइवल प्रोजेक्ट प्रदर्शनी कालबेलिया समुदाय की महिलाओं द्वारा बनाए जाने वाले हस्तशिल्प उत्पादों, विशेषकर कालबेलिया रजाईयाँ और गुदड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम साबित होगी।
- उल्लेखनीय है कि राजस्थान का कालबेलिया समुदाय अपनी कला के लिये पूरी दुनिया में जाना जाता है, लेकिन उनके रोजगार के संसाधन सीमति होने और आर्थिक तंगी के कारण उनकी कला एवं शिल्प को बाजार तक पहुँचाने में काफी दक्कतों का सामना करना पड़ता है।
- प्रदर्शनी के क्यूरेटर डॉ. मदन मीना ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की परकिल्पना कोवडिकाल से वकिसति हुई थी, जब राजस्थान के कालबेलिया के कई परविर तालाबंदी के कारण अपने पैतृक गाँव लौट आए थे। कालबेलिया कलाकारों का काम भी पर्यटन की सुस्ती के कारण ठप हो गया। ऐसे में उन्हें उनके गाँव के भीतर वैकल्पिके आजीविका का अवसर प्रदान करने के लिये कोटा हैरटिज सोसाइटी द्वारा कालबेलिया क्राफ्ट रविइवल प्रोजेक्ट की परकिल्पना की गई थी।
- इसे शुरु में नफिट-जोधपुर केंद्र और भारतीय शिल्प एवं डिजाइन संस्थान, जयपुर द्वारा अपने छात्रों को इंटरनशिप प्रदान करने के लिये स्पॉन्सर कथिया गया था। वर्तमान में बूंदी और जयपुर की कालबेलिया महलियाँ इस परयोजना में काम कर रही हैं।
- इस परयोजना का उद्देश्य कालबेलिया समुदाय की रजाई बनाने की परंपरा को संरक्षति करना और उन्हें अपने समुदाय एवं उनके शिल्प के नरिवाह के लिये उनके गाँवों के भीतर बेहतर आजीविका के अवसर प्रदान करना है।
- डॉ. मदन मीना ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से जुड़ी कालबेलिया महिलाओं को वभिनिन कलात्मक उत्पाद बनाने के लिये प्रतदिनि 300 रुपए प्रतभिहिला दथिया जाता है। इस धनराशिको वभिनिन स्रोतों से जुटाया जाता है तथा स्पॉन्सरशिप से भी धनराशिप्राप्त होती है, जसिका उपयोग इस प्रोजेक्ट को आगे बढाने के लिये कथिया जा रहा है।
- इस परयोजना में भाग लेने वाली कालबेलिया महलियाँ में जयपुर से मेवा सपेरा, बूंदी से मीरा बाई, लाड बाई, रेखा बाई, नट्टी बाई और बनथिया बाई प्रमुख रूप से शामिल हैं।
- कार्यक्रम में जयपुर से आई अंतरराष्ट्रीय ख्यातनाम कालबेलिया गायक और दुनथिया के वभिनिन हसिसों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी मेवा सपेरा ने बताया कि कालबेलिया रजाई और उनकी गुणवत्ता घर की महलियाँ की समृद्धि, कौशल और प्रतभिा को दर्शाती है। एक परविर रजाई के ढेर रखता है, जो मेहमानों की यात्रा के दौरान बाहर नकिला जाता है। ये रजाईयाँ बेटथियों को उपहार देने का हसिसा होती हैं।
- उन्होंने बताया कि खाली समय में कालबेलिया समुदाय की महलियाँ अपने संग्रह के लिये हमेशा रजाई बनाती हैं। एक रजाई या गुदड़ी को पूरा होने में दो से तीन महीने का समय लगता है।